खबर संक्षेप

सरकारी क्वार्टरों में बिजली चोरी पकड़ी

सतना। बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उचेहरा तहसील कॉलोनी में बड़ी कार्रवाई करते हुए विद्युत विभाग ने तीन सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ बिजली चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। मैहर संभाग के कार्यपालन अभियंता ओमेंद्र सिंह के निर्देशन में उचेहरा वितरण केंद्र की टीम ने तहसील कॉलोनी में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान तहसील एवं जनपद कार्यालय में पदस्थ कुछ कर्मचारियों के सरकारी आवासों में बिना वैध विद्युत कनेक्शन के बिजली उपयोग करते पाए जाने पर विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत तीन प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई के दौरान पटवारी रामकुमार कोल,तहसील कार्यालय सहायक रामनाथ वर्मा तथा शिखा शर्मा के आवासीय परिसरों में वैध बिजली कनेक्शन नहीं मिला। विभाग ने संबंधित व्यक्तियों को वैधानिक नोटिस जारी कर दिया है। निर्धारित क्षतिपूर्ति राशि जमा नहीं करने की स्थिति में विद्युत न्यायालय नागौद में परिवाद प्रस्तुत किया जाएगा। विभाग द्वारा कुल 58 हजार 481 रुपये की क्षतिपूर्ति निर्धारित की गई है। कार्रवाई में कनिष्ठ अभियंता उचेहरा के साथ लाइनमैन प्रमोद चर्मकार,सुशील कुशवाहा,सुनील केवट एवं उमेश कुशवाहा सहित अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

वेतन की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

मैहर। मैहर में आशा कार्यकर्ताओं ने अपने रुके हुए वेतन और विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में आंदोलन प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंची आशा कार्यकर्ताओं ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द भुगतान की मांग की।आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से उनका वेतन रुका हुआ है,जिससे आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से जल्द वेतन जारी करने और समस्याओं के समाधान की मांग की।प्रदर्शन के बाद आशा कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

शीतला माता मंदिर से बरम बाबा मंदिर तक की गई नालियों की सफाई

मैहर। आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 11 में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शीतला माता मंदिर से बरम बाबा मंदिर तक नालियों की व्यापक साफ-सफाई कराई गई तथा क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान वार्डवासियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं एवं उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वच्छ,सुंदर एवं स्वस्थ मैहर के निर्माण के लिए जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

62 वरिष्ठ नागरिकों को कराया जाएगा तीर्थ दर्शन

मैहर। ग्राम पंचायत स्तर पर आमतौर पर विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं की चर्चा होती है,लेकिन जनपद पंचायत मैहर अंतर्गत ग्राम पंचायत भेड़ा में एक ऐसी पहल सामने आई है,जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। ग्राम पंचायत भेड़ा में 'प्रधान तीर्थ दर्शन योजना' के शुभारंभ की घोषणा की गई है,जिसे क्षेत्र में एक अभिनव और सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार,इस योजना की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। 62वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आवेदन पत्र भरे जाएंगे। इसके बाद 26 जनवरी को लकी ड्रा के माध्यम से 62 पात्र लोगों का चयन किया जाएगा।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 13 को मैहर में

मैहर। साहित्य, समाज और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय अंकुर साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक मंच द्वारा स्वर्गीय दादा राजकुमार जैन की स्मृति में 13 जून 2026,शनिवार को भव्य अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रात्रि 9 बजे से सरना पैलेस,मैहर में आयोजित होगा। कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले ख्यातिप्राप्त कवि एवं शायर अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। कार्यक्रम का संचालन कानपुर के वरिष्ठ साहित्यकार के.के.अग्निहोत्री करेंगे।

मझगवां में पटना खुर्द की आदिवासी बस्ती में भीषण जल संकट

दर-दर भटकने को मजबूर ग्रामीण
पानी के लिए मची त्राहि-त्राहि

सतना।

जनपद पंचायत मझगवां के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पटना खुर्द की पटनी आदिवासी बस्ती इन दिनों भीषण जल संकट से जूझ रही है। शासन की तमाम नल-जल योजनाओं के दावों को धता बताते हुए इस पूरी बस्ती के ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। स्थानीय सरपंच और सचिव की घोर लापरवाही और मनमानी के चलते भीषण गर्मी में भी आदिवासियों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

एक ही हैंडपंप के भरोसे पूरी बस्ती

आलम यह है कि पूरी पटनी आदिवासी बस्ती की प्यास बुझाने के लिए केवल एक ही चालू हैंडपंप है,जो राजेश नामक ग्रामीण के घर के पास स्थित है।सुबह होते ही इस हैंडपंप पर पानी भरने के लिए लंबी-लंबी कतारें लग जाती हैं। घंटों लाइन में लगे रहने के बाद भी कई परिवारों को खाली हाथ लौटना पड़ता है।

मासूमों का बचपन पानी की कतार में

जल संकट का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि इस तपती धूप में छोटे-छोटे मासूम बच्चे खेल-कूद छोड़कर हाथों में डब्बे और बाल्टियां लिए पानी के इंतजार में हैंडपंप के पास बैठे रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रशासन को कई बार अवगत कराने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। यदि जल्द ही प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया,तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

चाय-नाश्ते की दुकान की आड़ में चल रहा था शराब का कारोबार, पुलिस ने मारा छापा

मैहर।

अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मैहर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक चाय-नाश्ते की दुकान पर दबिश देकर वहां से भारी मात्रा में शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान दुकान संचालक के कब्जे से विभिन्न ब्रांडों की शराब जब्त की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में एक चाय-नाश्ते की दुकान की आड़ में अवैध रूप से शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की,जहां दुकान से शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध शराब के कारोबार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे कारोबारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नए आरटीओ रवि बरेलिया ने संभाला पदभार पारदर्शी व्यवस्था और सड़क सुरक्षा होगी प्राथमिकता

सतना।

लंबे समय से प्रतीक्षित प्रशासनिक फेरबदल के तहत सतना जिले को नए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मिल गए हैं। सोमवार को प्रभारी अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रवि बरेलिया ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। कार्यालय पहुंचने पर परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। पदभार संभालते ही नए आरटीओ एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा की और लंबित मामलों,राजस्व वसूली,सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कड़े निर्देश दिए।

आरटीओ के सामने होंगी ये चुनौतियाँ

सतना परिवहन विभाग में व्यवस्थाओं को पटरी पर लाना नए आरटीओ के लिए कांटों भरा ताज साबित हो सकता है। पदभार संभालते ही उनके सामने कई पुरानी और जटिल चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं।

स्टाफ की कमी और दलालों का मकड़जाल

विभाग में लंबे समय से कर्मचारियों की भारी कमी है,जिसका सीधा फायदा उठाकर आरटीओ कार्यालय में दलालों का दबदबा बढ़ा हुआ है। आम जनता को सीधे खिड़की से सुविधाएं दिलाना और दलाली प्रथा पर लगाम कसना सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

बस संचालकों की मनमानी पर अंकुश

जिले में बस ऑपरेटरों की मनमानी चरम पर है। नियमों को ताक पर रखकर दौड़ने वाली बसों पर नकेल कसना नए अधिकारी के लिए बड़ी चुनौती है।

किराया सूची का अभावः

बसों में मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें आम हैं। हर बस में आधिकारिक किराया सूची (फेयर लिस्ट) चपकाना और उसका पालन करवाना अनिवार्य करना होगा।

बस स्टैंड से संचालन की चुनौती

शहर के नए बस स्टैंड से बसों का सुचारू और अनिवार्य संचालन सुनिश्चित कराना,ताकि यातायात व्यवस्था सुधर सके।

यात्रियों की सुरक्षा (इमरजेंसी गेट)

अधिकांश बसों में आपातकालीन द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) या तो जाम हैं या नियमों के अनुकूल नहीं हैं। सड़क हादसों के मद्देनजर बसों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करवाना बेहद जरूरी है।

अवैध परिवहन पर कार्रवाई

जिले में बिना परमिट,ओवरलोड और अवैध रूप से संचालित हो रहे व्यावसायिक वाहनों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना।

वर्जन-

शासन की मंशानुसार परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी,सुगम और जनहितैषी बनाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। आम नागरिकों तक विभागीय सेवाएं सरल और समयबद्ध तरीके से पहुंचें, इसके लिए पूरी टीम को एकजुट होकर काम करना होगा।

-रवि बरेलिया
नवागत आरटीओ,सतना

अधेड़ की कुल्हाड़ी मारकर निर्मम हत्या

मृतक के छोटे भाई और उसके साथियों पर लगा हत्या का आरोप,पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया

घटनास्थल से एक बाइक बरामद,आपसी मतभेद और अंधविश्वास बना विवाद की वजह

सतना।

अमरपाटन थाना क्षेत्र के किरहाई गांव में बीती रात एक अधेड़ व्यक्ति की कुल्हाड़ी (टांगी) मारकर निर्मम हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात का आरोप मृतक के सगे छोटे भाई और उसके 5-6 साथियों पर लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के कुछ आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर किया हमला

जानकारी के अनुसार,रविवार और सोमवार की दरमियानी रात किरहाई गांव में करीब आधा दर्जन युवकों ने पटिराम कोल पिता श्यामलाल कोल के घर के बाहर आकर गाली-गलौज और शोर-शराबा शुरू कर दिया। शोर सुनकर जब पटिराम घर से बाहर आए,तो घात लगाए बैठे आरोपियों ने उन पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। हमला इतना गंभीर था कि लहूलुहान पटिराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

जादू-टोने का शक बनी हत्या की वजह

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल से आरोपियों की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। अमरपाटन टीआई (थाना प्रभारी) विजय सिंह परस्ते के मुताबिक,मृतक पटिराम कोल का अपने छोटे भाई सीताराम कोल के साथ काफी समय से विवाद चल रहा था। दोनों भाइयों के बीच जादू-टोने के शक को लेकर मतभेद था,जो अंततः इस खूनी संघर्ष की वजह बना। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

चित्रकूट थाना क्षेत्र में अज्ञात शव मिलने से हड़कंप

सती अनुसूया मार्ग पर सड़क किनारे मिला युवक का लहूलुहान शव,धारदार हथियार से रेता गला

सतना। चित्रकूट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले प्रसिद्ध सती अनुसूया मार्ग पर एक अज्ञात युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया।सुबह के वक्त वहां से गुजर रहे राहगीरों ने सड़क किनारे शव को देखकर तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी।

धारदार हथियार से किया गया वार

प्राप्त जानकारी के अनुसार,सती अनुसूया तिराहे से करीब 2 किलोमीटर अंदर मुख्य मार्ग पर युवक का खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। मृतक के गले पर किसी धारदार हथियार से गहरे जख्म के निशान हैं, जिससे साफ है कि उसकी गला रेतकर हत्या की गई है। प्रथम दृष्टया मामला पूरी तरह से हत्या का प्रतीत हो रहा है।

शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी राजेश बंजारे तुरंत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने एफएसएल (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) के विशेषज्ञ महेंद्र सिंह को भी मौके पर साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया। पुलिस ने बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के मुताबिक,मृतक के पास से ऐसा कोई दस्तावेज या पहचान पत्र नहीं मिला है जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस फिलहाल युवक की शिनाख्त करने के साथ-साथ मामले की गहन जांच में जुट गई है।

छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित

सतना।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करही कला में शासन की योजना के तहत छात्र-छात्राओं को साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान कर उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर करही कला की सरपंच श्रीमती स्नेहलता पुष्पेंद्र सिंह,पंच अमन प्रताप सिंह,इंद्रपाल सिंह एवं केदार यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित करते हुए उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने तथा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। साइकिल प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने शासन की इस पहल के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्या नगर पालिका मृत आत्माओं को अंतिम संस्कार हेतु दो बूंद जल भी नहीं दे सकती: प्रभात

मैहर। धार्मिक नगरी मैहर में विकास और जनसुविधाओं के बड़े-बड़े दावों के बीच नगर के मुक्तिधामों की बदहाल स्थिति गंभीर प्रश्न खड़े कर रही है। इस संबंध में मैहर नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने नगर पालिका प्रशासन,जनप्रतिनिधियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा है कि किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों को जीवन के साथ-साथ मृत्यु के बाद भी सम्मानजनक व्यवस्था उपलब्ध कराए किंतु मैहर में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है।प्रभात द्विवेदी ने कहा कि इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और संवेदनहीन स्थिति क्या हो सकती है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद जब उसका अंतिम संस्कार करने परिजन मुक्तिधाम पहुंचते हैं,तब वहां मृत आत्मा के आचमन एवं अंतिम संस्कार संबंधी धार्मिक क्रियाओं के लिए आवश्यक जल तक उपलब्ध नहीं होता। हिंदू परंपराओं में अंतिम संस्कार के उपरांत शुद्धिकरण स्नान एवं अन्य धार्मिक विधियों के लिए जल की आवश्यकता होती है,लेकिन मुक्तिधाम में जल व्यवस्था ठप रहने के कारण शोकाकुल परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नाम सुधार सूचना

मनकि सुरेश सिंह उम्र 39 वर्ष पिता श्री श्याम सुंदर सिंह निवासी खरे कुटीर के पीछे प्रेम बिहार कॉलोनी सतना तहसील रघुराजनगर जिला सतना म.प्र. का होकर निम्नलिखित शपथपूर्वक कथन करता हूं कि :- कि मैं उक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र मे नाम स्वास्तिक सिंह (SWASTIK SINGH) लिखा हुआ है। जबकि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में पुत्र का नाम गंगा सिंह लिखा है जिसे सुधारकर स्वास्तिक सिंह किया जाए। मेरे पुत्र का आधारकार्ड में नाम सुधरवाने हेतु यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।
स्थान - सतना
दिनांक - 08.06.2026
शपथकर्ता

सीएम हेल्पलाइन के मामलों का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, लापरवाही बर्दाश्त नहीं: कलेक्टर

सतना। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस ने सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट लहजे में निर्देश दिए कि सभी मामलों का समय-सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि,सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि शिकायतों का समाधान केवल एक औपचारिकता (खानापूर्ति) नहीं होना चाहिए,बल्कि वह संतोषजनक और स्थायी होना चाहिए ताकि आमजन को राहत मिल सके। बैठक के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई और कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए।जिसमें राजस्व विभाग, नगरीय प्रशासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास स्वास्थ्य विभाग,शिक्षा विभाग आदि।

टालते रहे अधिकारी..सोते रहे नेता, गांव वाले बन गए दशरथ मांझी पानी से परेशान लोगों ने खुद खोद डाला

पन्ना। पन्ना जिले के लोगों ने वो कमाल कर दिया जो सदियों पहले दशरथ मांझी ने किया था। जिन्हें माउंटेन मैन के नाम से जाना जाता है. वहीं पन्ना जिले के आदिवासी बाहुल्य कल्दा पठार क्षेत्र की ग्रामपंचायात सगरा के जैतुपुरा गांव में ग्रामीणों ने नेताओं से लेकर अधिकारियों के पास कई बार चक्कर लगाए लेकिन किसी ने समस्या का समाधान नहीं किया.

फिर पानी से परेशान होकर ग्रामीणों ने खुद ही तालाब खोद दिया जिले के आदिवासी बाहुल्य कल्दा पठार क्षेत्र के जैतुपुरा गांव में ग्रामीणों ने एकजुटता और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है. वर्षों से जल संकट झेल रहे ग्रामीणों ने जब शासन-प्रशासन से मदद नहीं मिली तो खुद तालाब निर्माण का बीड़ा उठाया. श्रमदान किया, चंदा एकत्र किया और जेसीबी मशीन से तालाब की खुदाई करवा दी. अब गांव में बड़ा तालाब तैयार हो चुका है. जिससे ग्रामीणों आने वाले समय में जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है। पन्ना जिले के आदिवासी बाहुल्य कल्दा पठार क्षेत्र

की ग्रामपंचायात सगरा के जैतुपुरा गांव में ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास और आत्मनिर्भरता का ऐसा उदाहरण पेश किया है. जो पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गया है. वर्षों से पेयजल संकट और मवेशियों के लिए पानी की समस्या झेल रहे ग्रामीणों ने आखिरकार अपनी तकदीर खुद बदलने का फैसला किया।

करीब चार लाख रुपये जुटाए गए-

ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत स्तर पर तालाब निर्माण और पुराने जल स्त्रोतों के गहरीकरण की मांग रखी. पंचायत में प्रस्ताव दिए गए और शिकायतें भी की गईं. लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. इसके बाद गांव के लोगों ने बैठक कर स्वयं तालाब बनाने का निर्णय लिया. शुरुआत में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब की खुदाई शुरू की. लेकिन गहरीकरण के लिए मशीनों की जरूरत महसूस हुई. तब गांव के लोगों ने आपस में चंदा एकत्र किया. किसी ने दो हजार रुपये तो किसी ने चार हजार रुपये का सहयोग दिया. इस तरह करीब चार लाख रुपये जुटाए गए और जेसीबी मशीन बुलाकर तालाब की गहरी खुदाई करवाई गई।

खबर संक्षेप

कांटीसीरो वरेजन धाम में संगीत मय श्रीमद् भागवत, कथा आज से

अमानगंज। पन्ना जिले की अमानगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम कांटीसीरो में स्थित प्रमुख देवस्थान वरेजन धाम मे संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन स्थानीय और क्षेत्रीय भक्तों के विशेष सहयोग से आयोजित हो रहा है कथा में वृंदावन धाम से पधार रहे प्रमुख वक्ता पंडित श्री सरकार कृष्ण जी महाराज जो बागेश्वर धाम की विशेष कृपा पात्र हैं वह कथा का वाचन करेंगे जबकि कथा में मुख्य स्त्रोतों के रूप में पंडित राजाराम गर्ग जी कथा का श्रवण करेंगे कथा में अमानगंज के अलावा चिकल्हाई गोरा मडेयन हिनौता डहार्रा पवैया महेवा सहित आसपास के तकरीबन 50 गांव के भक्तों का विशेष सहयोग इस आयोजन में होगा आयोजन समिति ने प्रत्येक ग्राम वासियों से आग्रह किया है की आयोजन में पहुंचकर धर्म लाभ लें कथा दोपहर 3रू00 बजे से आरंभ होगी जो हरि इच्छा तक चलेगी

महाविद्यालय में पौधरोपण

बड़वारा। शासकीय महाविद्यालय बड़वारा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ₹एक पेड़ मां के नाम ₹ ₹अभियान के अंतर्गत पौधा रोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम का उद्देश्य वृक्षारोपण के माध्यम से सामाजिक जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्राओं तथा समाज में चेतना जागृत करना रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एल. के.सिंह, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़वाल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सुजीत सिंह के नेतृत्व में समस्त शिक्षक,कर्मचारी गण तथा छात्र छात्राओं ने पर्यावरण के संरक्षण हेतु संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. आर.के.त्रिपाठी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय बरही एवं डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

अनुवेद मिश्रा कोपीएचडी की उपाधि, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जनजातियों के मतदान व्यवहार पर किया शोध

पन्ना। अनिवेद मिश्रा ने एम.ए योग प्रशासन के पश्चात पीएचडी की उपाधि मप्र विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जनजातियों के मतदान व्यवहार का अध्ययन विधानसभा चुनाव 2013-2018-2023 के विशेष संदर्भ में पॉलिटिकल साइंस फैकल्टी ऑफ सोसल साइंस का सबजेक्ट पीएचडी की उपाधि को लेकर जाना गया। आपको ब र क त उ ल ला

विश्वविद्यालय भोपाल से 01.06.2026 को पीएचडी की उपाधि से गौरान्वित किया गया आपने डॉ0 साधना पाण्डेय प्राध्यापक (प्रोफेसर) एल.ई.एच.ई. भोपाल म0प्र0 के सानिध्य में यह सफलता पीएचडी की उपाधि की सोध करके हासिल की निश्चिततौर पर माता-पिता की कृपा के साथ-साथ आपको यह सफलता सत्शुभ्र मिश्र एवं चाची डॉ0 संस्मृति मिश्रा भोपाल के मार्गदर्शन व सतत दिशा में देने में कहीं न कहीं पूर्वजों व हमारे वेदों में वर्णित है कि पिता के धर्मों से पुत्र की उन्नति का मार्ग प्रसस्त्र होता है वहीं आपकी मां नीता मिश्रा जिनके संस्कार कहीं न कहीं पुत्र की सफलता से ही सहज अंदाजा लगया जा सकता है।

पन्ना। पन्ना जिला हीरों के रत्न से तो प्रख्यात हे पूरी दुनिया में यहां का एक बालक अनुवेद मिश्रा जो हीरे की चमक के रूप में पीएचडी की उपाधि हासिल करने के बाद पन्ना की चमक पूरी दुनिया में बिखरने को लेकर जाना गया। अनुवेद मिश्र ने एम.ए. लोक प्रशासन के बाद पीएचडी की उपाधि जहां बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से हासिल की है। गौरतलब बात यह है कि अनुवेद मिश्रा ने जहां बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस फैकल्टी ऑफ सोसल साइंस का सबजेक्ट पीएचडी की उपाधि को लेकर जाना गया (म0प्र0 विधानसभा चुनावों में अ नु सू चि त जनजातियों के मतदान व्यवहार का अध्ययन विधानसभा चुनाव 2013-2018-2023 के विशेष संदर्भ में जहां डॉ0 साधना पाण्डेय प्रोफेसर एल.ई.एच.ई. भोपाल म0प्र0 के सानिध्य में सोध करके पीएचडी की उपाधि की सफलता को लेकर जाना गया। निश्चिततौर पर ऐसी सफलतायें कहीं न कहीं माता-पिता के सतकर्मों व संस्कारों के द्वारा ही मिलने के आसार तय होते है। वहीं आपको विशेषतौर पर भोपाल में निवासरत एवं मार्गदर्शक आपके चाचा सत्शुभ्र मिश्रा एवं डॉ0 संस्मृति मिश्रा भोपाल चाची के सानिध्य से जो मार्गदर्शन मिला उच्च शिक्षा हासिल करने में यह पीएचडी की उपाधि की जो सफलता हासिल हुई। गौरतलबबात यह है कि आप

नगर में जाने माने व्यक्तित्व के धनी हरिशंकर मिश्रा एसडीओ मंडी बोर्ड के चिरंजीव पुत्र है तथा आपकी माता नीता मिश्रा जिनके संस्कार से ही कहीं न कहीं यह मार्ग जो प्रसस्त्र हुआ आज सफलता के मुकाम को लेकर सदैव के लिये जाना गया। डॉ0 अनुवेद मिश्रा के नाम से उपाधि मिलने के बाद जाना गया। पन्ना के हीरे के रूप में चख्मक दुनिया में जानी जायेगी। निश्चित ही प्रतिभा सदैव संस्कारों व मार्गदर्शन से अपना मार्ग स्वयं ही तय करती है जो आज डॉ0 अनुवेद मिश्रा की सफलता को लेकर जाना जायेगा। पूर्व में पन्ना में आपने प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर एवं लिस्यू आनंद विद्यालय में अध्ययन करने के बादउच्च शिक्षा भोपाल से हासिल की आज बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से यह पीएचडी की उपाधि मिलने से पन्ना का नाम गौरान्वित किया।

मंदिर के सामने पशुओं का डेरा, श्रद्धालुओं को हो रही भारी परेशानी

पन्ना। नगर के प्रसिद्ध अनंत श्री प्राणनाथ जी मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने इन दिनों आवारा एवं निराश्रित पशुओं का जमावड़ा बना हुआ है। मंदिर परिसर के बाहर बड़ी संख्या में गाय एवं बैल दिनभर बैठे रहते हैं, जिससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं, लेकिन प्रवेश मार्ग पर पशुओं के बैठे रहने से रास्ता संकरा हो जाता है।

कई बार पशु अचानक उठकर इधर-उधर दौड़ पड़ते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पूर्व में भी कई श्रद्धालु इन पशुओं की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं। गर्मी के मौसम में पशु मंदिर परिसर की दीवारों और छायादार स्थानों के आसपास डेरा जमाए रहते हैं। इससे बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से परेशानी होती है। श्रद्धालुओं का कहना है कि धार्मिक स्थल के मुख्य मार्ग पर इस प्रकार की स्थिति उचित नहीं है और इससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। नगरवासियों ने नगर पालिका परिषद एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि मंदिर के मुख्य प्रवेश मार्ग से निराश्रित पशुओं को हटाने तथा उनके लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगमता से मंदिर में दर्शन कर सकें। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं की गई तो किसी दिन गंभीर दुर्घटना हो सकती है। प्रशासन को इस ओर शीघ्र ध्यान देने की आवश्यकता है।

आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पांडेय का दुर्लभ मुद्रा संग्रह बना आकर्षण का केंद्र

पन्ना। पन्ना के आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पांडेय का दुर्लभ मुद्रा संग्रह इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने मुगलकाल, ब्रिटिश काल और आजाद भारत के विभिन्न सिक्कों व नोटों को वर्षों से सहेज कर रखा है। खास बात यह है कि उनके संग्रह में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर वाले एक और दो रुपये के दुर्लभ नोट भी शामिल हैं, जो संग्रह को और विशेष बनाते हैं। पन्ना जिले के आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पांडेय का दुर्लभ मुद्रा संग्रह इन दिनों लोगों के बीच आकर्षण और चर्चा का विषय बना हुआ है। डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेन-देन के बढ़ते दौर में जहां पुरानी मुद्राएं धीरे-धीरे लोगों की स्मृतियों से ओझल होती जा रही हैं, वहीं मुकेश पांडेय ने भारत की ऐतिहासिक मुद्रा विरासत को वर्षों से सहेज कर रखा है। उनका यह संग्रह न केवल इतिहास प्रेमियों के लिए रोचक है, बल्कि नई पीढ़ी को देश की आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।मुकेश पांडेय के संग्रह में मुगलकाल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत के विभिन्न कालखंडों की मुद्राएं शामिल हैं। उनके पास मुगल बादशाह शाह

आलम द्वितीय के शासनकाल का दुर्लभ रुपया सुरक्षित है, जो उस दौर की आर्थिक व्यवस्था और शिल्पकला की झलक प्रस्तुत करता है। इसके अलावा ओरछा रियासत का चांदी का रुपया भी उनके संग्रह की महत्वपूर्ण धरोहरों में शामिल है। ब्रिटिश कालीन तांबे और चांदी के सिक्कों के साथ-साथ पुराने समय में प्रचलित चवन्नी, अठन्नी और विभिन्न मूल्यवर्ग के सिक्के भी उन्होंने संरक्षित कर रखे हैं। संग्रह की सबसे विशेष और दुर्लभ धरोहर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर वाले नोट हैं। मुकेश पांडेय के पास एक रुपये का ऐसा दुर्लभ नोट मौजूद है, जिस पर वित्त सचिव के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हैं। इसके अलावा दो रुपये का नोट भी संग्रह में सुरक्षित है, जिस पर उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में हस्ताक्षर किए थे। ऐसे नोट आज बेहद दुर्लभ माने जाते हैं और मुद्रा संग्राहकों के बीच विशेष महत्व रखते हैं।मुकेश पांडेय बताते हैं कि उन्हें बचपन से ही पुराने सिक्कों और नोटों को संग्रहित करने का शौक था। जब भी उन्हें खर्च के लिए पैसे मिलते थे और उनमें कोई पुराना या अलग तरह का सिक्का या नोट दिखाई देता था, तो वे उसे खर्च करने के बजाय संभालकर रख लेते थे। समय के साथ यही रुचि एक बड़े और व्यवस्थित संग्रह में बदल गई।आज उनका यह संग्रह केवल व्यक्तिगत शौक तक सीमित नहीं है, बल्कि इतिहास, संस्कृति और मुद्रा विकास की कहानी भी बयां करता है। स्थानीय लोग और मुद्रा संग्रह में रुचि रखने वाले लोग उनके संग्रह को देखने पहुंचते हैं और इसकी सराहना करते हैं। पन्ना के आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश पांडेय का यह प्रयास भारत की ऐतिहासिक मुद्रा विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण माना जा रहा है।

वन विभाग से मारपीट के मामले में 2.5 हजार के इनामी आरोपी की गिरफ्तारी, अजयगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, ग्वालियर से पकड़ा गया फरार आरोपी शोलू पांडेय

आरोपी की गिरफ्तरी पर पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा 2.5 हजार रुपये का इनाम किया गया था घोषित

अजयगढ़। वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा तथा जान से मारने की धमकी देने के गंभीर प्रकरण में फरार चल रहे 2.5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पन्ना पुलिस ने गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। दिनांक 23 अप्रैल 2026 को वन परिक्षेत्र धरमपुर की बीट पिष्टा में वन विभाग का अमला नियमित गश्त पर था। गश्त के दौरान करतल रोड स्थित छटवांमील चौराहे के पास पत्थरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का प्रयास किया गया, किंतु चालक वाहन को तेज गति से लेकर भाग निकला। वन अमले द्वारा पीछा कर बीट सिल्हाई के कक्ष क्रमांक आर-26 के समीप वाहन को रोका गया। पूछताछ में चालक जयकरण अहिरवार निवासी देवगांव ने बताया कि वह बिना किसी वैध दस्तावेज के पिष्टा क्षेत्र के

जंगल से पत्थर परिवहन कर रहा था। वन अमले द्वारा अवैध परिवहन की कार्रवाई की जा रही थी, तभी आरोपी शोलू पाण्डेय एवं उसके पिता लखनलाल पाण्डेय उर्फ छोटा मुन्ना मौके पर पहुंचे और वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गाली-गलौज, धक्का-मुक्की एवं मारपीट की। आरोपियों ने शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए वनपाल की जेब से ट्रैक्टर की चाबी एवं मोबाइल फोन छीन लिया तथा जान से मारने की धमकी देते हुए अवैध पत्थर से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके से जबरन छुड़ाकर भगा दिया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना अजयगढ़ में आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत विवेचना प्रारंभ की गई। घटना के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। प्रकरण में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक पन्ना महोदया द्वारा उक्त आरोपियों पर 2.5-2.5 हजार रुपये का इनाम उद्घोषित किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कोतवाली पन्ना एवं थाना अजयगढ़ की संयुक्त टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी तथा तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा था। लगातार प्रयासों के दौरान मुखबिर सूचना एवं साइबर सेल से प्राप्त तकनीकी सहायता के आधार पर पुलिस टीम को आरोपी शोलू पाण्डेय उर्फ यश पाण्डये के ग्वालियर क्षेत्र में छिपे होने की जानकारी प्राप्त हुई। सूचना के सत्यापन उपरांत पुलिस टीम ने ग्वालियर पहुंचकर योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी शोलू पाण्डेय को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। उक्त आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी मारपीट एवं अन्य आपराधिक प्रकृति के कई मामले दर्ज हैं। आरोपी के संपूर्ण आपराधिक रिकॉर्ड का परीक्षण किया जा रहा है।

नाम पता आरोपी-

शोलू पाण्डेय उर्फ यश पाण्डेय पिता लखनलाल पाण्डेय निवासी पिष्टा थाना अजयगढ़ जिला पन्ना।

सराहनीय योगदान-

उक्त सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी. रोहित मिश्रा, थाना प्रभारी अजयगढ़ निरी. हरि सिंह ठाकुर, प्र.आर. खेमचन्द्र राय, आर. अभिषेक यादव, महेन्द्र चढ़ार एवं सायबर सेल टीम पन्ना की सराहनीय भूमिका रही।

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय देवेंद्रनगर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, नए सत्र के लिए आवेदन आमंत्रित

देवेंद्रनगर (पन्ना)। क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेंद्रनगर (वार्ड क्र. १०, सतना रोड) में शैक्षणिक सत्र २०२६-२७ के लिए प्रवेश प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ हो गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीरज शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आधुनिक एवं पारंपरिक शिक्षा के अनूठे समन्वय के साथ छात्र यहां अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। प्राचार्य डॉ. शर्मा ने गौरवपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर अनेक छात्रों का भारतीय सेना में धर्मगुरु (विपरीत परिस्थितियों में भी धार्मिक और नैतिक संबल देने वाले पद) के रूप में प्रतिष्ठित चयन हुआ है, जो नगर और पूरे जिले के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है।

प्रवेश एवं संपर्क सूत्र-

महाविद्यालय प्रशासन और प्राचार्य द्वारा क्षेत्र के अधिक से अधिक छात्रों से अपील की गई है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं और समय रहते अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करें। प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रकार की तकनीकी सहायता, जानकारी या ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए छात्र महाविद्यालय की आधिकारिक ईमेल आईडी मिहेबकमअचंद/उच.हवअ.पद पर संपर्क कर सकते हैं या नीचे दिए गए आई.टी. सेल (प्ज ब्मसस) के मोबाइल नंबरों पर सीधे बात कर अपनी सीट सुरक्षित कर सकते हैं।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण के लिये किया प्रेरित

कटनी। बारडोली वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आर. एल. चौधरी के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जल स्त्रोतों का संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता का कार्यक्रम करते हुए स्थानीय शिव मंदिर में सघन पौधरोपण किया गया, इस अवसर पर इनका रहा महत्वपूर्ण सहयोग, बारडोली वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आर एल चौधरी, काशी विश्वकर्मा, रविकांत राय, राजेश चौधरी, माया गुप्ता, रूपा बर्मन, कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार चौधरी एवं बारडोली वेलफेयर सोसायटी के सेक्टर प्रभारी गणपत कोल सहित संस्था के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपनी अपनी सहभागिता प्रदान किया।

थाना प्रभारी रैपुरा के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को शिकायत जमीन धोखाधड़ी और परिवार पर कार्रवाई के आरोप

पन्ना। जिले के रैपुरा क्षेत्र के निवासी संतराम राय ने थाना प्रभारी रैपुरा महोदया के माध्यम से पुलिस अधीक्षक पन्ना को शिकायत पत्र सौंपकर जमीन धोखाधड़ी मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, संतराम राय ने वर्ष 2014-15 में राजेश जैन से जमीन खरीदी थी, जिसकी रजिस्ट्री उनके पास उपलब्ध है। उनका आरोप है कि बाद में उसी जमीन को कथित रूप से दोबारा बेच दिया गया और वर्षों से निवासरत होने के बावजूद उन्हें बेदखल कर दूसरे पक्ष को कब्जा

दिला दिया गया। संतराम राय ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे विवाद के दौरान उनके परिवार के सदस्यों पर भी कार्रवाई की गई। उनके अनुसार, उनके बेटे, पत्नी, बड़े भाई नंदकिशोर राय, उनकी पत्नी तथा उनके बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है। वहीं, मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच और आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर ही हो सकेगी।

खबर संक्षेप

कांग्रेस सेवादल संगठन को मजबूत करने पर जोर, कार्यकर्ताओं का सम्मेलन संपन्न

छतरपुर। शहर स्थित कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस सेवादल कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवादल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना रहा। इस अवसर पर प्रदेश महिला सेवादल अध्यक्ष संगीता कांकरिया ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस सेवादल पार्टी की रीढ़ है और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।सम्मेलन के दौरान संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच जाकर पार्टी की विचारधारा और जनहितकारी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का आह्वान किया।

बंद प्रोत्साहन राशि बहाल करने और निश्चित मानदेय की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

छतरपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ मानी जाने वाली आशा कार्यकर्ताओं के सब्र का बांध अब टूटने लगा है। आशा एकता संघ मध्य प्रदेश के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों और काटी गई प्रोत्साहन राशि को पुनः बहाल करने के संबंध में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक के नाम कलेक्टर कार्यालय में तहसीलदार दुर्गेश तिवारी को एक ज्ञापन सौंपा है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष हीरा देवी सिंह चंदेल के नेतृत्व में सौंपे गए इस मांग पत्र में साफ कहा गया है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगी। शिकायत पत्र में बताया गया है कि आशा कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह 6,000 रुपये का फिक्स मानदेय मिलता है, जिसके अतिरिक्त मार्च 2026 तक सरकार द्वारा विभिन्न 64 प्रकार के स्वास्थ्य कार्यों के बदले प्रोत्साहन राशि दी जाती थी। परंतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल द्वारा अचानक अप्रैल 2026 से कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की प्रोत्साहन राशि बंद कर दी गई है। बंद की गई राशि में गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीकरण पर मिलने वाले 200 रुपये, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर शाला त्यागी बच्चों को मोबिलाइजर करने के 100 रुपये और कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने के बाद फॉलोअप के लिए मिलने वाले 900 रुपये शामिल हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे और उनके परिवार इसी प्रोत्साहन राशि के भरोसे जीवन यापन करते हैं, जिसे बंद करना उनके साथ सरासर अन्याय है। संगठन ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 29 जुलाई 2023 को की गई उस घोषणा की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया, जिसमें प्रत्येक वर्ष मानदेय में 1000 रुपये की बढ़ोतरी की बात कही गई थी, जो आज दिनांक तक शुरू नहीं हो सकी है, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को यह लाभ निरंतर दिया जा रहा है। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि सरकार द्वारा उनके बजट मद को पूरी तरह स्पष्ट किया जाए और वरिष्ठ अधिकारियों को दिए जाने वाले भुगतान पत्रक की पावती उन्हें अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। प्रशासनिक पारदर्शिता की मांग करते हुए संघ ने कहा कि जब तक मासिक मानदेय पूरी तरह निश्चित नहीं हो जाता, तब तक हर महीने का भुगतान किस्तों में करने के बजाय एक बार में ही किया।

बघेलखंड में पोस्टिंग के दौरान 12 लाख रूपए देकर छतरपुर में दूसरी बार पाई पोस्टिंग, अवैध वसूली जोड़ों पर

कलेक्टर के सैंपलिंग के निर्देश को फूड सेफ्टी अधिकारी संतोष तिवारी ने बनाया अवैध वसूली का धंधा, सैंपलिंग के लिए छोटे-छोटे दुकानदारों को किया जाता है टारगेट?

अबैध कमाई के चक्कर में कई बार पिटने के बाद अब लोकायुक्त की नजर फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर तिवारी की अवैध सम्पत्ति पर

छतरपुर।

बंधक बनाकर पीटे गए फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर संतोष तिवारी की अकूत सम्पत्ति पर अब लोकायुक्त की नजर लग गई है। लोकायुक्त जल्द ही फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर तिवारी की अकूत संम्पत्ति की जांच करने की योजना बनने लगी है। लाखों रूपए खर्च करने के बाद छतरपुर जिले में दोबारा पोस्टिंग पाई और जिला मुख्यालय का चार्ज पाने में भी लाखों रूपए खर्च कर सफल रहे। इधर चर्चा यह आ रही है कि छतरपुर जिले में भी पदस्थी काल के दौरान फूड इंस्पेक्टर तिवारी ने अकूत सम्पत्ति हासिल की है। इस तरह की चर्चाएं उनके ही विभाग के कर्मचारी कर रहे है। चर्चाओं में यह भी सुना गया है कि विभाग के कुछ कर्मचारियों ने इनकी जन्म कुंडली लोकायुक्त को भेज दी है। और अब लोकायुक्त उस जन्म कुंडली को खंगाल रहा है। जैसे ही कुंडली के सभी ग्रहों का मिलान लोकायुक्त द्वारा कर

लिया जाएगा, बैसे ही इनके ठिकानों पर छापामार कार्यवाही हो सकती है। क्योंकि छतरपुर में फूड इंस्पेक्टर तिवारी ने सम्पत्ति के नाम पर चल और अचल सम्पत्ति जो अर्जित की है उसकी भी जानकारी बहुत जल्द सार्वजनिक होने वाली है।

जिला प्रशासन की छीछालेदर कराने वाले फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर तिवारी पर अधिकारी क्यों मेहरबान है जिला प्रशासन। बताया जा रहा कि अभी तक उन्हें कोई नोटिस तक जारी नहीं किया गया कि प्रशासनिक अधिकारियों और विभागीय अधिकारी के बिना अनुमति के सैम्पलिंग की कार्यवाही कैसे कर रहे है। यह बात भी सच है कि जब भी जिला कलेक्टर द्वारा सैम्पलिंग के निर्देश दिए जाते है तो फूड इंस्पेक्टर तिवारी कलेक्टर के निर्देश का पालन करने के नाम पर शहर के छोटे छोटे दुकानदारों के यहां जाकर खाद्य पदार्थो के सैम्पल भरते है। यह सैम्पलिंग करने के पहले फूड इंस्पेक्टर तिवारी अपने चहेते बड़े बड़े कमाऊपूत दुकानदारों को पूर्व से ही सूचना दे देते है कि कलेक्टर के निर्देश पर सैम्पलिंग की खानापूर्ति होना है। इसलिए अमुक दिन अपनी दुकान बंद रखे और यह भी देखा गया है कि जब कभी बड़ी दुकान में कलेक्टर के दबाव में सैम्पलिंग करने की कार्यवाही होती है तो दुकानदार से अकेले में पहले पूछ लिया जाता है कि दुकान में कौन सा खाद्य पदार्थ ताजा और सबसे अच्छा है फिर उसी का सैम्पल भरकर और अपनी जेब भरकर वहां से पंचनामा तैयार कर प्रशासन के अधिकारियों के सामने प्रस्तुत कर देते है। और सैम्पल भी भोपाल भेज देते है और यह सैम्पल भेजने के पहले संबंधित दुकानदार से भोपाल की जांच के नाम पर भी फीलगुड करते है। फूड इंस्पेक्टर संतोष तिवारी पर खुलकर यह आरोप लग रहे हैं और चर्चाएं भी हो रही हैं कि दुकानों के सेम्पल भरने के दौरान दुकानदारों से उनकी लम्बी सेटिंग चलती है।

कलेक्टर के निर्देश पर यह समय-समय पर खाद्य पदार्थों का सेम्पल जरूर ले लेते हैं लेकिन व्यापारियों से सांठ-गांठ करके सेम्पल बदलवाने में वह माहिर हैं, व्यापारियों के माध्यम से यह चर्चाएं सुनी गईं हैं कि जब सेम्पल भरने की कार्यवाही होती है उसके बाद फूड इंस्पेक्टर का उनके पास फोन आता है और भोपाल से सेम्पल बदलवाने के लिए डिमांड बताई जाती है। इसीलिए आज दिनांक तक फूड इंस्पेक्टर तिवारी द्वारा भरे जाने वाले सेम्पल ज्यादातर प्रतिशत में फेल नहीं हो रहे हैं। यह सेटिंग का नतीजा रहता है।

मुख्यालय में जिला प्रशासन की किरकिरी कराने के बाद कुर्सी से नहीं हो रहा मोह भंग, जिला प्रशासन को कर दिया कटघरे में खड़ा? -

फूड इंस्पेक्टर संतोष तिवारी का छतरपुर में ठुकना पिटना यह कोई नई बात नहीं है, इसके पहले भी कई बार उनके साथ धक्का मुक्की और लट्ठ चलने कि चर्चाएं सुनने को मिलती रही है। लेकिन इस बार की पिटने की घटना ने प्रशासन को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। क्योंकि यह बड़ी बात है कि किसी अधिकारी को बंधक बनाकर पीटा जाए और उन पीटने वालों पर साधारण मामला दर्ज हो जाए इससे बड़ी शर्म की बात प्रशासन के लिए क्या होगी। यह भी चर्चा सुनी जा रही है कि शहर का एक नामचीन व्यापारी जो समाजसेवी का चोला ओढे हुए है वह इस चोले की आड़ में शहर के अन्य दुकानदारों से बसूली करके तिवारी तक पहुंचाता है। यह समाजसेवी इस तरह का ढोंग इसलिए करता है क्योंकि सबसे अधिक नम्बर 2 के काम इसी समाजसेवी के शहर में चलते है। इसलिए फूड इंस्पेक्टर संतोष तिवारी को खुश रखने और अपने नम्बर 2 के कामों पर पर्दा डालने के लिए उनके आगे पीछे मडराते रहते है।

लगातार चर्चाओं में रहने के बाद भी फूड सेफ्टी इंस्पेक्टर संतोष तिवारी पर प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही ना होना इस बात की ओर इसारा कर रहा है कि कहीं ना कहीं तिवारी के इन गलत कार्यों में प्रशासनिक अधिकारियों और विभागीय अधिकारियों की भी मूक सहमति बनी हुई है, जो कि जांच का विषय है।

टीएल बैठक में पहुंचा मंगलम होटल का मामला, कलेक्टर ने मांगी रिपोर्ट

राजस्व विभाग ने जांच रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी, अब कार्रवाई पर टिकी निगाहें

नौगांव। कस्बे के इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने स्थित होटल द मंगलम में कथित अतिक्रमण और अवैध निर्माण का मामला अब जिला प्रशासन के उच्च स्तर तक पहुंच गया है। संयुक्त जांच दल द्वारा तैयार प्रतिवेदन राजस्व विभाग के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को सौंप दिया गया है। वहीं जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसे साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में शामिल कर लिया है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि प्रशासन अब इस मामले की नियमित निगरानी कर रहा है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्रवाई की दिशा तय की जाएगी।

जानकारी के अनुसार कुछ समय पूर्व होटल द मंगलम द्वारा नहर की भूमि और सड़क सीमा क्षेत्र में निर्माण किए जाने संबंधी शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंची थी। शिकायत के बाद कलेक्टर के निर्देश पर जल संसाधन विभाग, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) तथा नगर पालिका की संयुक्त टीम गठित की गई थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर सीमांकन, नाप-तौल और विभागीय अभिलेखों का परीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र से संबंधित तथ्य दर्ज कर संयुक्त प्रतिवेदन तैयार किया। संयुक्त जांच रिपोर्ट में राजस्व निरीक्षक रामचरण अहिरवार द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के अनुसार जगतसागर तालाब से निकलने वाली नहर का उल्लेख किया गया है। जल संसाधन विभाग के अभिलेखों के अनुसार नहर की निर्धारित चौड़ाई 50 फीट है। जांच के दौरान किए गए सीमांकन और मापन में नहर क्षेत्र के भीतर निर्माण पाए जाने का उल्लेख रिपोर्ट में किया गया है। अधिकारियों द्वारा मौके पर माप लेकर पंचनामा तैयार किया गया था, जिसे जांच प्रतिवेदन का हिस्सा बनाया गया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क की निर्धारित सीमा का परीक्षण किया गया। विभागीय अधिकारियों ने सड़क के मध्य बिंदु से निर्धारित सीमा क्षेत्र का सीमांकन कर निरीक्षण किया। रिपोर्ट में सड़क सीमा के भीतर लगभग 17×50 फीट क्षेत्र में बाउंड्रीवाल और अन्य निर्माण दर्ज किए गए हैं। विभाग ने इन तथ्यों को अपने प्रतिवेदन में शामिल करते हुए प्रशासन को अवगत कराया है। संयुक्त जांच के दौरान नगर पालिका की टीम ने होटल परिसर की स्वच्छता

व्यवस्था तथा अपशिष्ट जल निकासी प्रणाली का भी निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान मिली जानकारियों और विभागीय टिप्पणियों को रिपोर्ट में शामिल किया गया है। संबंधित विभागों द्वारा अपने-अपने स्तर पर दर्ज की गई टिप्पणियां अब प्रशासनिक परीक्षण के लिए भेजी गई हैं।

टीएल बैठक में शामिल हुआ मामला,कार्रवाई को लेकर बढ़ी उम्मीदें -

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर ने इसे सोमवार को आयोजित टीएल बैठक में शामिल किया। हालांकि नौगांव एसडीएम जी.एस. पटेल डोडन बांध प्रकरण में प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में व्यस्त होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। अधिकारियों के अनुसार उनकी ड्यूटी डोडन बांध से संबंधित व्यवस्थाओं में लगी हुई थी। इसके बावजूद मामला जिला स्तर पर समीक्षा के दायरे में बना हुआ है। वर्षों से चर्चा में रहे इस प्रकरण में पहली बार विभिन्न विभागों की संयुक्त जांच रिपोर्ट प्रशासन के समक्ष पहुंची है। रिपोर्ट एसडीएम कार्यालय को सौंपे जाने और मामला टीएल बैठक तक पहुंचने के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि अब मामले में प्रशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। सूत्रों के अनुसार जांच प्रतिवेदन का परीक्षण किए जाने के बाद संबंधित पक्ष से जवाब तलब किया जा सकता है तथा नियमानुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। संयुक्त जांच रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद संबंधित विभागों से विस्तृत अभिमत लिया जाएगा। इसके बाद प्रशासन यह तय करेगा कि मामले में नोटिस जारी करना है या अन्य वैधानिक कार्रवाई की आवश्यकता है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सभी निर्णय जांच रिपोर्ट और उपलब्ध अभिलेखीय साक्ष्यों के आधार पर नियमों के अनुसार लिए जाएंगे।

कलेक्टर के निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों पर संगोष्ठी आयोजित, फलदार पौधों का वितरण

छतरपुर।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा छतरपुर जिले के राजनगर विकासखंड में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन बमीठा में माइंड इम्पॉवरिंग सोशल फाउंडेशन द्वारा चंद्रनगर सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के साथ पर्यावरण संगोष्ठी एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भोपाल से पधारे मुख्य अतिथि के रूप में अमिताभ श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार ने की, जबकि ब्लॉक समन्वयक मनीष शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार ने परिषद का परिचय देते हुए विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की एवं उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि अमिताभ श्रीवास्तव ने परिषद के त्याग, समर्पण एवं संघर्षों पर आधारित कार्यों की सराहना करते हुए समाजहित में निरंतर सक्रिय रहने का संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान चंद्रनगर सेक्टर की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्षों एवं सचिवों को फलदार वृक्षों के पौधों का वितरण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर राजनगर विकासखंड के नवांकुर प्रतिनिधि जगन्नाथ पटेल, ग्यासी रजक, अवधविहारी दुबे एवं मनीष खटीक, परामर्शदाता अनुपम गुप्ता, जलज जैन, मीनू सिंह, नीलम कुशवाहा सहित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता हेतु संगम सेवालय द्वारा विशेष संगोष्ठी आयोजित

छतरपुर। सामाजिक संस्था संगम सेवालय द्वारा आज वार्ड क्रमांक 28 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं मासिक धर्म प्रबंधन विषय पर एक विशेष जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों तथा मासिक धर्म के दौरान अपनाई जाने वाली स्वच्छ आदतों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, किशोरियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी के दौरान विशेषज्ञों एवं संस्था के पदाधिकारियों ने महिलाओं को बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। विशेष रूप से मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता का ध्यान न रखने से कई प्रकार के संक्रमण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए प्रत्येक महिला एवं किशोरी को सुरक्षित एवं स्वच्छ सैनिटरी नैपकिन का उपयोग करना चाहिए।

संगोष्ठी में उपस्थित महिलाओं को मासिक धर्म से जुड़े विभिन्न मिथकों एवं भ्रांतियों के बारे में भी जानकारी दी गई तथा उन्हें वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सही जानकारी प्रदान की गई। वक्ताओं ने कहा कि आज भी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अनेक महिलाएं संकोच एवं जानकारी के अभाव में स्वच्छता संबंधी आवश्यक उपाय नहीं अपना पाती हैं, जिसके कारण उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकते हैं।

इस अवसर पर यूनिचार्म कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए सैनिटरी नैपकिन का निःशुल्क वितरण भी किया गया। महिलाओं एवं किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन के सही उपयोग, सुरक्षित निस्तारण तथा मासिक धर्म के दौरान पोषण एवं स्वच्छता संबंधी आवश्यक जानकारियां प्रदान की गईं। लाभार्थियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सजग बनने और खुलकर चर्चा करने का अवसर प्रदान करते हैं।

संगम सेवालय के प्रतिनिधियों ने बताया कि संस्था विगत कई वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक कल्याण के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य एवं जागरूकता संबंधी सेवाएं पहुंचाना है, ताकि एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। संगम सेवालय ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

पौधे सूखने की कगार पर, नियमित संचालन की उठी मांग

छतरपुर। नगर के वार्ड क्रमांक 16 स्थित सिंचाई कॉलोनी के पार्क की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। पार्क में लगे पौधे और पेड़ उचित देखरेख के अभाव में सूख रहे हैं, वहीं पार्क का ताला भी अधिकांश समय बंद रहने से बच्चे, बुजुर्ग और स्थानीय नागरिक इसका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

पार्षद प्रतिनिधि एवं समाजसेवी दिनेश तिवारी ने बताया कि पार्क के विकास के लिए कुछ कार्य किए गए थे तथा पौधारोपण भी कराया गया था, लेकिन बाद में न तो पौधों की सिंचाई की व्यवस्था की गई और न ही प्रकाश एवं साफ-सफाई पर ध्यान दिया गया।परिणामस्वरूप पार्क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्क जनसुविधा के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन यहां पार्क हमेशा ताले में बंद रहता है। इससे क्षेत्र के बच्चों को खेलने और नागरिकों को सुबह-शाम टहलने की सुविधा नहीं मिल पा रही है। पार्क में लगे पौधों को भी समय पर पानी नहीं मिलने से वे सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं।

मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि पार्क की नियमित साफ-सफाई कराई जाए, पौधों की देखभाल सुनिश्चित की जाए तथा पार्क को प्रतिदिन निर्धारित समय पर खोला जाए। साथ ही पार्क में बैठने के लिए कुर्सियां, बच्चों के लिए झूले और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को एक बेहतर सार्वजनिक स्थल मिल सके।

दिनेश तिवारी ने कहा कि पार्क घूमने और लोगों को स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के लिए होते हैं, न कि ताले में कैद रखने के लिए। उन्होंने नगर पालिका से शीघ्र आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

6 साल का प्यार शादी में बदला, परिवार की नाराजगी के बीच प्रेमी युगल ने कोर्ट मैरिज कर मंदिर में रचाई शादी

छतरपुर। प्रेम और विश्वास की एक अनोखी कहानी छतरपुर में देखने को मिली, जहां छह वर्षों से एक-दूसरे को चाहने वाले युवक-युवती ने परिजनों की असहमति के बावजूद जीवनसाथी बनने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले की युवती और छतरपुर के युवक ने पहले कोर्ट मैरिज की और इसके बाद बालाजी मंदिर में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न किया।

जानकारी के अनुसार, गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के बारी गांव निवासी गोलू सेन (21) पिता रमेश सेन ने महोबा जिले के श्रीनगर निवासी मोहिनी सेन (20) पिता श्याम बिहारी सेन के साथ विवाह किया। दोनों ने छतरपुर स्थित कोर्ट में कानूनी प्रक्रिया पूरी कर विवाह पंजीकृत कराया और इसके बाद जवाहर रोड स्थित बालाजी मंदिर पहुंचकर भगवान को साक्षी मानते हुए एक-दूसरे को वरमाला पहनाई तथा सात फेरे लिए।

विवाह समारोह में युवक पक्ष के परिजन और परिचित मौजूद रहे, जबकि युवती पक्ष के परिवारजन इसमें शामिल नहीं हुए। मोहिनी ने बताया कि दोनों एक ही समाज से संबंध रखते हैं, लेकिन करीबी रिश्तेदारी होने के कारण

परिवार इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था। कई वर्षों तक परिवार को मनाने का प्रयास किया गया, लेकिन सहमति नहीं मिलने पर दोनों ने स्वयं विवाह करने का निर्णय लिया। प्रेमी युगल ने बताया कि वे पिछले करीब छह वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और अपनी इच्छा से विवाह किया है। दोनों ने स्पष्ट किया कि उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं है और उन्हें किसी से कोई खतरा भी नहीं है। विवाह के बाद दोनों ने साथ मिलकर खुशहाल जीवन बिताने की इच्छा जताई और भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आठवीं बार रोजगार आयुक्त ने कलेक्टर छतरपुर को भेजा प्रशंसा पत्र

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में जिले में मई माह 2026 में युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेला में आकांक्षी युवाओं के लिए उल्लेखनीय कार्य किए जाने पर प्रदेश में जिले ने 2वीं रैंक हासिल की है। इस उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य के लिए रोजगार आयुक्त म.प्र. गिरीश शर्मा ने कलेक्टर छतरपुर के कार्य की सराहना करते हुए प्रशंसा पत्र भेजा है। साथ ही जिला रोजगार अधिकारी एस.के जैन को भी प्रशंसा पत्र भेजा है। कलेक्टर श्री जैसवाल ने जिले को प्राप्त हुई उपलब्धि के लिए संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को बधाई दी है। जैसा कि विदित है, विगत वर्ष 2025 के अगस्त, सितंबर, नवंबर, दिसंबर माह एवं इस वर्ष के फरवरी, मार्च, अप्रैल माह में भी इस उपलब्धि के लिए सात बार जिला कलेक्टर को प्रशंसा पत्र मिल मिल चुका है।

पुलिस महकमे में सबसे बड़ा फेरबदल — चार टीआई सहित 134 पुलिसकर्मियों के हुए तबादले

छतरपुर। पुलिस मुख्यालय भोपाल से मिले निर्देशों के पालन में छतरपुर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा (भा.पु.से.) ने जिले के पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया है। इसके तहत तत्काल प्रभाव से 4 थाना प्रभारी और 134 शासकीय सेवकों (उपनिरिक्षकों, सहायक उपनिरीक्षकों, प्रधान आरक्षकों और आरक्षकों) को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक नए थानों और इकाइयों में पदस्थ किया गया है। थाना प्रभारियों में अरविंद सिंह दांगी को बड़ामलहरा थाना में पदस्थ किया गया है। वहीं शिशिर तिवारी को बड़ामलहरा से गुलगंज थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी तरह जीतेन्द्र सोनी को अलीपुरा व अभिषेक पाण्डेय को बमनौरा थाना प्रभारी बनाया गया है।

तबादला सूची के अनुसार थानों और चौकियों की नई पदस्थापना इस प्रकार है-

उपनिरीक्षक (उनि) और सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) के तबादले

बाबूलाल कोल को सिविल लाईन से थाना महाराजपुर, बीदू विश्वास को थाना महाराजपुर से सरल लाईन, ख्रिस्टोफर टोप्पो को थाना बमीठा से सिविल लाईन और कन्हैयालाल दाहिया को थाना राजनगर से थाना गढ़ीमलहरा भेजा गया है।

इसी तरह, सुनील कुमार गोंड को चौकी प्रभारी नैनागिर से थाना पिपट, मनीराम सौर को चौकी सेंधपा थाना बड़ामलहरा से चौकी नैनागिर, हरिशचंद्र यादव को सिविल लाईन से चौकी सेंधपा, शिवकुमार प्रजापति को कोतवाली से राजनगर, जितेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को थाना सटई से थाना गौरिहार, मदन मोहन दुबे को सिविल लाईन से थाना चंदला, जीवनलाल प्रजापति को थाना गौरिहार से थाना बमीठा, परदेशी लाल अहिरवार को सिविल लाईन से थाना बक्स्वाहा और शिवकुमार गर्ग को थाना महाराजपुर से थाना कोतवाली स्थानांतरित किया गया है।

प्रधान आरक्षकों (प्रआर) का फेरबदल

सूर्यप्रकाश को बमीठा से थाना लवकुशनगर, सीता अहिरवार को बडामलहरा से थाना बिजावर, मोहम्मद इशाक को गुलगंज से नौगांव, रामदयाल अहिरवार को विजावर से बड़ामलहरा, मनोज कुमार नाहर को खजुराहो से हरपालपुर, रामकृपाल शर्मा को चौकी सीलोन थाना बमीठा से गुलगंज, राकेश कुमार बाल्मीक को ओरछा रोड से महाराजपुर, पुष्पेन्द्र सिहं यादव को महाराजपुर से सिविल लाईन, वीरेन्द्र कुमार अहिरवार को सि.ला. से ईशानगर, नेपाल सिंह परिहार को ओरछा रोड से बड़ामलहरा, अवधेश कुमार चतुर्वेदी को कोतवाली से बमीठा, और लखन कुम्हार को सि.ला. से बाजना भेजा गया है।

इसके साथ ही, सरमन लाल अहिरवार को बडामलहरा से किशनगढ़, सुरेन्द्र यादव को हरपालपुर से अजाक, उमेश कुमार तिवारी को सि.ला. से यातायात, बसंत कुमार शर्मा को खजुराहो से लवकुशनगर, संजय कुमार अहिरवार को कोतवाली से बमीठा, रज्जन पाण्डेय को शाहगढ से चौकी रानीताल, बृजेन्द्र सिंह यादव को नौगांव से गौरिहार, अभय सिंह को चौकी अकौना थाना खजुराहो से सरवई, बसीर मुहम्मद को चौकी चन्द्रनगर से अजाक, जुनैद अहमद को सरवई से चौकी लुगासी थाना नौगांव, जय कुमार को हरपालपुर से सिविल लाईन, ओमप्रकाश अहिरवार को पिपट से अलीपुरा, प्रसन्न कुमार अहिरवार को नौगांव से जुझारनगर, राकेश कुमार अहिरवार को हरपालपुर से ओरछारोड, और अरिमर्दन सिंह को बंशिया से खजुराहो भेजा गया है।

आगे की सूची में हल्के प्रसाद प्रजापति को गौरिहार से चौकी अकौना थाना खजुराहो, महेन्द्र कुमार गुप्ता को बमीठा से कोतवाली, नरेश कुमार अहिरवार को जुझारनगर से खजुराहो, रामकृपाल को लवकुशनगर से शाहगढ़, राजेश पाठक को सि.ला. से खजुराहो, हरनारायण विश्वकर्मा को किशनगढ से राजनगर, सुवेद अहमद को राजनगर से सरल लाईन, राजवीर पंथी को हरपालपुर से चौकी जटाशंकर, राजेश सिंह बागरी को कोतवाली से खजुराहो, रूपेश कुमार खटीक को चौकी जटाशंकर से चौकी नैनागिर थाना बक्स्वाहा, बालेन्द्र कुमार प्रजापति को यातायात से पुलिस लाईन, मनोहर ताम्रकार को कोतवाली से ओरछा रोड, अनीष अहमद को लवकुशनगर से राजनगर, महेन्द्र कुमार उपाध्याय को सि.ला./यातायात से हरपालपुर, निर्मल कुमार मलिक को खजुराहो से सिविल लाईन, जगप्रसाद अहिरवार को डीएसपी एजेके से हरपालपुर, सुनील कुमार यादव को खजुराहो से कोतवाली, और प्रताप सिंह यादव को हिनौता से चौकी सीलोन बमीठा स्थानांतरित किया गया है।

प्रधान आरक्षकों में हफीज खान को ईशानगर से कोतवाली, विक्रम भानु रेले को राजनगर से सिविल लाईन, महेन्द्र अहिरवार को चौकी नैनैगिर थाना बक्स्वाहा से नौगांव (पुनः सूची में इन्हें चौकी नैनागिर से सिविल लाईन भी दर्शाया गया है), विपेन्द्र कुमार चौबे को कोतवाली से बड़ामलहरा, पंकज कुमार को खजुराहो से बंशिया, जीतेन्द्र राय को अलीपुरा से कोतवाली, रणकेन्द्र सिंह को अलीपुरा से चौकी नैनागिर बक्स्वाहा, रावेन्द्र प्रताप सिंह को बाजना से पिपट, हरचरण अहिरवार को नौगांव से कोतवाली, संतोष कुमार त्रिपाठी को अजाक से पुलिस लाईन, पुष्पा त्रिपाठी को पर्यटक चौकी खजुराहो से अलीपुरा, चन्द्रशेखर को ओरछा रोड से बमीठा, रीना पटेल को एसडीओपी कार्य नौगांव से पुलिस लाईन, धर्मेंद्र चतुर्वेदी को सिविल लाइन से चौकी घुवारा भगवां, योगेन्द्र तिवारी को यातायात से नौगांव, और रफ़ीक हसन को यातायात से खजुराहो भेजा गया है।

आरक्षकों (आर) की नई पदस्थापना

गीता देवी को लवकुशनगर से हरपालपुर, देवीचरन कुशवाहा (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को मातगुवा से बड़ामलहरा, हेमंत कुमार सूत्रकार को अलीपुरा से सिविल लाइन, वीरेंद्र सिंह बघेल को नौगांव से ईशानगर, राममूर्ती जाटव (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को जुझारनगर से महाराजपुर, रामवीर सिंह को चौकी बछौन से नौगांव, विष्णु रैकवार को खजुराहो से साइवर सेल, रत्नेश सिंह दाँगी को बकस्वाहा से मातगुवां, राजकुमार सेन को बकस्वाहा से चौकी जटाशंकर, चरण सिंह को खजुराहो से चौकी बछौन चंदला, रतन सिंह लोधी को भगवा से किशनगढ़, चाँद खा (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को गौरिहार से बमीठा, अरविन्द्र सिंह को खजुराहो से गौरिहार, राहुल को लवकुशनगर से जुझारनगर, और नीतू गर्ग को राजनगर से खजुराहो स्थानांतरित किया गया है। इसके अलावा राम निवास साहू (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को बमीठा से गौरिहार, फूल सिंह राजपूत को भगवा से बिजावर, राहुल प्रजापति (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को बड़ामलहरा से बिजावर, वर्षा गौंड (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को शाहगढ़ से बक्स्वाहा, सुनील मौर्य (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को बिजावर से शाहगढ़, मनोज जाटव (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को हरपालपुर से नौगांव, अनीश (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को महाराजपुर से जुझारनगर, प्रीतम कुमार प्रजापति को ईशानगर से बक्स्वाहा, लकचन्द्र को हरपालपुर से ओरछा रोड, कविता अहिरवार को सटई से सिविल लाईन, रविन्द्र कुमार राजपूत को चौकी पठा थाना लवकुशनगर से राजनगर, अजय मिश्रा को थाना शाहगढ़ से बमीठा, महेश कुमार अहिरवार (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को महिला थाना से बक्स्वाहा, सत्य नारायण चाचोदिया को बकस्वाहा से भगवा भेजा गया है।

आरक्षकों में भजनलाल अहिरवार को नौगांव से पुलिस लाईन, रीतेश ओझा को महाराजपुर से गढ़ीमलहरा, राजू अहिरवार को सिविल लाइन से हरपालपुर, कौशल किशोर सेन को गुलगंज से कोतवाली, भगवानदास यादव को सिविल लाइन से महाराजपुर, हरीश कुमार को बड़ामलहरा से अलीपुरा, राकेश बागरी को बमीठा से सिविल लाईन, बृजलाल सौर को नौगांव से हरपालपुर, बिमला बाई को पर्यटक चौकी खजुराहो से बक्स्वाहा, चमेली कुशवाहा को लवकुशनगर से खजुराहो, अशोक कुमार को चौकी नैनागिर से बड़ामलहरा, प्रताप सौर को चौकी जटाशंकर से बमनौरा, राजेश कुमार दाँगी को चौकी घुवारा से सिविल लाईन, शिवम बाजपेई (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को चौकी गरौली से महिला थाना, राहुल राजा (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को नौगांव से हरपालपुर, और अनीता पटेल (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को बकस्वाहा से मातगुवा पदस्थ किया गया है।

अंतिम भाग में योगेश कुमार रिछारिया को गढ़ीमलहरा से कोतवाली, धर्मवीर सिंह गुर्जर को कोतवाली से नौगांव, बालकदास लोधी को गुलगज से नौगांव, वीरेंद्र कुमार साहू (सीसीटीएनएस ऑपरेटर) को चौकी बम्हौरी थाना बकस्वाहा से सीसीटीएनएस शाखा डीपीओ, सुरेन्द्र राजपूत को सटई से बमीठा, जय सिंह राजपूत को चौकी अकौना थाना खजुराहो से लवकुशनगर, रामशंकर राजपूत को चौकी बागेश्वर धाम थाना बमीठा से चौकी पठा लवकुशनगर, भगत सिंह ठाकुर को बमनौरा से पिपट, यादवेन्द्र सिंह यादव को कोतवाली से नौगांव, नीकेश यादव को बमीठा से खजुराहो, राजेश पटेल को कोतवाली से पुलिस लाईन, सौरभ तिवारी को चौकी गरौली थाना नौगांव से बड़ामलहरा, आशीष यादव को बक्स्वाहा से किशनगढ़, और मयक शुक्ला को पिपट से गुलगंज भेजा गया है।

खबर संक्षेप

श्री सिद्धेश्वर बालाजी धाम में हनुमंत कथा में आस्था का महासागर

रीवा। विंध्य क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री सिद्धेश्वर बालाजी धाम में इन दिनों चल रहे वार्षिकोत्सव एवं स्थापना दिवस महोत्सव पर आयोजित श्रीहनुमंत कथा में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धाम परिसर में श्रद्धा,भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां दूर-दराज से पहुंचे हजारों भक्तों ने कथा का पुण्य लाभ अर्जित किया। कथा के दौरान भगवान श्रीराम और हनुमंत लला की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा के माध्यम से धर्म,संस्कार और जीवन मूल्यों से जुड़े प्रेरणादायक प्रसंगों ने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। पूरा वातावरण जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष से गूंजता रहा। श्री सिद्धेश्वर बालाजी धाम के पीठाधीश्वर पंडित आदर्श कृष्ण शास्त्री एवं कथा आयोजन समिति के कुशल मार्गदर्शन में 6 जून से प्रारंभ हुआ यह भव्य धार्मिक आयोजन 12 जून तक चलेगा। आयोजन के प्रत्येक दिन भक्तों की बढ़ती संख्या इस महोत्सव की लोकप्रियता और आस्था की गहराई को दर्शा रही है। आयोजन मंडल के अनुसार 11 जून को भव्य संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से संत-महात्मा एवं धर्माचार्य एवं विदेशी भक्तगण भाग लेकर धर्म,समाज और राष्ट्रहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस आयोजन को लेकर तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन श्रीरामलीला,श्रीहनुमान महायज्ञ,भजन-कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है,जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास का माहौल बना हुआ है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर उभरा है, बल्कि समाज को एकजुट कर संस्कार,सेवा और सद्भावना का संदेश भी दे रहा है।

अवैध उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई एक जेसीबी एवं चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियां कि गई जब्त

मऊगंज जिले में अवैध उत्खनन एवं खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देशन में प्रशासन एवं पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सिंधार्थ महावीरपुर तालाब क्षेत्र में अवैध उत्खनन करते पाए जाने पर एक जेसीबी मशीन तथा चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त की गई । जब्त की गई जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलिय को थाना परिसर में खड़ा करवा दिया है । कलेक्टर संजय कुमार जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं शासकीय संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निगरानी, संयुक्त निरीक्षण एवं रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।जिला प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि अवैध उत्खनन अथवा खनिज परिवहन संबंधी किसी भी गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को दें, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग मिल सके।

रीवा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जेब पर पड़ रहा अतिरिक्त बोझ!

रीवा। रेलवे स्टेशन की नई ऑटोमैटिक पार्किंग व्यवस्था यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। स्टेशन परिसर में लगाए गए ऑटोमैटिक बूम बैरियर सिस्टम के तहत ड्रॉप एंड गोड के लिए मात्र 5 मिनट का समय निर्धारित किया गया है, जिसे लेकर यात्रियों में नाराजगी देखने को मिल रही है।
एक यात्री ने बताया कि उन्होंने अपनी गाड़ी स्टेशन पार्किंग में केवल 8 मिनट 8 सेकंड के लिए खड़ी की थी, लेकिन उनसे ₹47.20 (₹40 बेस फेयर + 18% जीएसटी) शुल्क वसूल लिया गया। उनका कहना है कि स्टेशन के बाहर ट्रैफिक, बुजुर्ग यात्रियों को प्लेटफॉर्म तक छोड़ने और सामान उतारने जैसी प्रक्रियाओं में ही 5 से 7 मिनट का समय लग जाता है। यात्रियों का आरोप है कि निर्धारित 5 मिनट की सीमा एक सेकंड भी पार होते ही सिस्टम सीधे न्यूनतम पार्किंग शुल्क लागू कर देता है।

बीच सड़क पर रोककर वसूली, विरोध करने पर मारपीट की धमकी; वाहन चालकों, व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश

बाजार बैठकी के नाम पर 'गुंडा टैक्स'! रीवा में ठेकेदार के गुर्गों पर अवैध वसूली के गंभीर आरोप, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

रीवा।

नगर पालिक निगम रीवा में बाजार बैठकी वसूली व्यवस्था एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है। शहर के विभिन्न मार्गों पर ठेकेदार के कथित गुर्गों द्वारा खुलेआम अवैध वसूली किए जाने के आरोप लग रहे हैं। वाहन चालकों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिक निगम के नाम पर नियमों को ताक पर रखकर सड़कों पर वाहनों को रोक-रोक कर मनमाने तरीके से रकम वसूली जा रही है, जबकि इस पर रोक लगाने वाला प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।
वाहन चालकों का आरोप है कि रीवा शहर में प्रवेश करने और बाहर निकलने वाले लगभग सभी प्रमुख मार्गों पर ठेकेदार द्वारा गुर्गों की नियुक्ति कर सड़कों में तैनाती कर दी गई है, जो लोडिंग-अनलोडिंग वाहनों के साथ-साथ ऑटो चालकों, छोटे व्यापारियों और यहां तक कि मोटरसाइकिल से सामान ले जाने वाले लोगों से भी पैसे की मांग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार रीवा शहर से केवल गुजरने वाले वाहनों को भी नहीं छोड़ा जाता और उनसे जबरन वसूली की जाती है।

नियमों को दरकिनार कर बीच सड़क पर हो रही वसूली

जानकारों के अनुसार रीवा नगर पालिक निगम द्वारा बाजार बैठकी वसूली के लिए नियुक्त कर्मचारियों के लिए स्पष्ट नियम निर्धारित हैं। नियमानुसार वसूली करने वाले कर्मचारियों के पास वैध पहचान पत्र, निर्धारित वर्दी तथा अधिकृत दस्तावेज होना चाहिए। साथ ही वसूली की प्रक्रिया भी निर्धारित स्थानों पर ही की जानी चाहिए।
लेकिन आरोप है कि इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। ठेकेदार के कथित कर्मचारी बिना किसी स्पष्ट पहचान के सड़कों पर वाहनों को रोककर वसूली कर रहे हैं। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है बल्कि वाहन चालकों में भय और असुरक्षा का माहौल भी बन रहा है।

पैसा देने में देरी हुई तो हाथापाई पर उतर आते हैं कथित वसूलीकर्ता

वाहन चालकों ने आरोप लगाया कि यदि कोई व्यक्ति वसूली की वैधता पर सवाल उठाता है या तत्काल पैसे देने में असमर्थता जताता है तो कथित वसूलीकर्ता अभद्र व्यवहार करने लगते हैं। कई लोगों ने मारपीट और धमकाने जैसी घटनाओं की भी शिकायत की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहर में आए दिन ऐसे विवाद सामने आते हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। यही कारण है कि कथित वसूलीकर्ताओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

प्रशासन की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक निगरानी को लेकर उठ रहा है। लोगों का कहना है कि नगर पालिक निगम और जिला प्रशासन के संज्ञान में यह स्थिति होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।
नागरिकों का आरोप है कि यदि वसूली नियमों के अनुसार हो रही है तो फिर सड़कों पर वाहन रोककर पैसा क्यों लिया जा रहा है और यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

रीवा महापौर की सक्रियता और जमीनी हकीकत पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि रीवा नगर पालिक निगम के महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' अक्सर सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर सक्रिय दिखाई देते हैं। विभिन्न मामलों में अधिकारियों को निर्देश देते हुए भी देखा जाता है, लेकिन बाजार बैठकी के नाम पर हो रही कथित अवैध वसूली पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने से आमजन के बीच सवाल खड़े हो रहे हैं।
लोगों का मानना है कि यदि नगर निगम प्रशासन वास्तव में पारदर्शी व्यवस्था लागू करना चाहता है तो वसूली प्रक्रिया को पूरी तरह नियमबद्ध और जवाबदेह बनाना होगा।

नवनियुक्त आयुक्त से कार्रवाई की मांग

वाहन चालकों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिक निगम रीवा के नवनियुक्त कमिश्नर अक्षत जैन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि बाजार बैठकी वसूली के नाम पर हो रही कथित अवैध गतिविधियों पर तत्काल अंकुश लगाया जाए तथा नियमों के विपरीत वसूली करने वाले लोगों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।
लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आम नागरिकों का प्रशासनिक व्यवस्था से विश्वास कमजोर होगा और सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों एवं छोटे व्यापारियों का शोषण लगातार बढ़ता रहेगा।

एसजीएमएच में सोनोग्राफी जांच के लिए मरीजों को हफ्ते भर की वेटिंग

निजी केंद्रों में जांच कराने मजबूर हो रहे मरीज

दिन भर भटकते है मरीज फिर भी नहीं मिल पा रही है राहत

रीवा। संजय गांधी अस्पताल में ओपीडी मरीजों को सोनोग्राफी जांच के लिए हफ्ते से लेकर महीने भर बाद जांच के लिए बुलाया जा रहा है। इस तरह जांच की लंबी वेटिंग मिलने से कष्ट में जूझ रहे मरीज निजी केंद्रों में जांच और इलाज कराने के लिए मजबूर हो रहे हैं। अस्पताल के रेडियो डायग्नोसिस विभाग में सोनोग्राफी जांच सेंटर है। यहां दो मशीन मौजूद है जिससे मरीजों की जांच की जाती है। संजय गांधी अस्पताल और गांधी मेमोरियल अस्पताल के भर्ती मरीजों की जांच यहां होती है। इसके अलावा ओपीडी के मरीजों को भी सोनोग्राफी जांच के लिए यहां भेजा जाता है। बताया गया है कि अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के पांच पद हैं, जिसमें तीन रिक्त हैं और दो भरे हैं। नियमित तकनीकी कर्मचारी भी नहीं हैं, ज्यादातर काम आउटसोर्स के कर्मचारियों से लिया जाता है। अस्पताल के सोनोग्राफी जांच सेंटर में प्रतिदिन औसतन 130 मरीजों की सोनोग्राफी जांच होती है। इनमें ज्यादातर संख्या गायनी और सर्जरी विभाग के भर्ती मरीजों की रहती है। बताते चलें कि जो मरीज लोकल है उनको भले ही मिलने वाली तारीख अधिक न लगे लेकिन जो लोग दूर से आते है उनको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गौरतलब है कि मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने पहले व्यवस्था बनाई थी कि भर्ती मरीजों की सोनोग्राफी। जांच संबंधित विभाग में ही विशेषज्ञ करेंगे ताकि सोनोग्राफी सेन्टर ओपीडी मरीजों के लिए उपलब्ध रहे। कुछ दिन तक यह व्यवस्था बनी रही। फिर बेपटरी हो गई। अब विभाग अपने सभी भर्ती मरीजों को जांच कराने सोनोग्राफी सेन्टर भेज रहा है। ऐसे में मरीजों को काफी फजीहत हो रही है। सोनोग्राफी के लिए 10 से 15 दिन तक का समय मिल रहा है। आलम यह है कि मरीज और उनके परिजन अस्पताल के चक्कर लगाकर थक जाते हैं। इसके बाद वह मजबूर होकर प्राइवेट स्थानों में सोनोग्राफी कराते हैं।

सुपर स्पेशलिटी की ठप हो गई शाम की ओपीडी

सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शाम के समय की ओपीडी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। अस्पताल में मरीजों को शाम के समय विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श नहीं मिल रहा। तीन साल पहले शुरू की गई यह व्यवस्था अब अघोषित रूप से बंद हो चुकी है। लिहाजा गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में नपर्याप्त जांच एवं उपचार सुविधा नहीं मिल पा रही है। दिन के समय ही मरीज अस्पताल में कतारबद्ध होकर इलाज कराने के लिए मजबूर हो रहे हैं, वहीं अस्पताल प्रबंधन को भी राजस्व की क्षति हो रही है।

दोबारा परामर्श लेने में होती है समस्या

उल्लेखनीय है कि अत्यधिक गर्मी और ठंड के दिनों में अस्पताल परिसर की ओपीडी का नजारा ऐसा रहता है कि ओपीडी की लाइन में लगे मरीज और स्ट्रेचर पर पड़े मरीज अपनी बारी का इंतजार करते परेशान होते रहते हैं। सुबह की ओपीडी में चिकित्सक को दिखाने के बाद कई बार जांच रिपोर्ट दिखाकर दोबारा परामर्श लेने में मरीजों को समस्या होती है। आलम यह है कि दूरदराज से इलाज कराने के लिए आने वाले मरीजों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। इतना ही नहीं न तो चिकित्सक समय पर उनका उपचार करते हैं और ना ही समय पर जांच रिपोर्ट मिलती है। ऐसे में मरीजों को अस्पताल परिसर में ही सोने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है।

---

14 वर्षों पुराने बहुचर्चित महसांव भूमि विवाद में आया ऐतिहासिक फैसला, मंदिर की संपत्ति होने का दावा खारिज

रीवा। जिले के गुढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम महसांव की बहुचर्चित भूमि को लेकर पिछले 14 वर्षों से चल रहे न्यायिक विवाद में जिला न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रस्तुत दावे को निरस्त करते हुए संबंधित भूमि को मंदिर की संपत्ति मानने से इंकार कर दिया तथा भूमि पर प्रतिवादी पक्ष के स्वामित्व को बरकरार रखा।
जानकारी के अनुसार ग्राम महसांव स्थित खसरा क्रमांक 468, 469, 470, 471, 474, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483 एवं 484 सहित कुल 13 खसरे की लगभग 19.05 एकड़ भूमि को लेकर वर्ष 2012 में न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया गया था। यह वाद मूर्ति रामजी, लक्ष्मणजी, हनुमानजी विराजमान रामलला मंदिर महसांव की ओर से तत्कालीन तहसीलदार गुढ़ द्वारा व्यवहार वाद क्रमांक 37/2012 के रूप में दायर किया गया था। वाद में दावा किया गया था कि उक्त भूमि मंदिर की संपत्ति है और इसे मंदिर की भूमि घोषित करते हुए इसके प्रबंधन का अधिकार कलेक्टर रीवा को प्रदान किया जाए। मामले में डॉ. अमित चौरसिया, डॉ. अभिषेक चौरसिया, स्वर्गीय महेश चौरसिया, दुर्गा चौरसिया, अंकुर चौरसिया एवं अन्य पक्षकारों को प्रतिवादी बनाया गया था। प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों, मौखिक साक्ष्यों एवं गवाहों के बयानों का विस्तृत परीक्षण किया। सुनवाई पूरी होने के बाद नवम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड रीवा की अदालत ने 19 दिसंबर 2024 को अपना फैसला सुनाते हुए मंदिर की ओर से प्रस्तुत दावा निरस्त कर दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि उपलब्ध अभिलेखों एवं साक्ष्यों के आधार पर विवादित भूमि को मंदिर की संपत्ति सिद्ध नहीं किया जा सका। निचली अदालत के निर्णय के विरुद्ध मंदिर पक्ष की ओर से 17 जनवरी 2025 को सिविल अपील क्रमांक आरसीए-09/2025 प्रस्तुत की गई। यह अपील सोलहवें जिला न्यायाधीश रीवा की अदालत में दायर की गई, जिसमें निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देते हुए भूमि को मंदिर की संपत्ति घोषित किए जाने की मांग दोहराई गई। जिला न्यायालय ने भी बरकरार रखा निचली अदालत का

फैसला
अपील की सुनवाई के दौरान जिला न्यायाधीश जितेन्द्र नारायण सिंह ने प्रकरण से जुड़े समस्त दस्तावेजों, राजस्व अभिलेखों, पूर्व न्यायिक निर्णयों एवं दोनों पक्षों की दलीलों का सूक्ष्म परीक्षण किया। न्यायालय ने पाया कि विवादित भूमि को मंदिर की संपत्ति मानने के लिए पर्याप्त एवं विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।न्यायालय के समक्ष यह तथ्य भी आया कि प्रतिवादी पक्ष ने उक्त भूमि 10 जून 1980 को दामोदरदास से पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय की थी। इसके बाद भूमि का नामांतरण भी प्रतिवादीगण के पक्ष में विधिवत किया गया था, जिसकी पुष्टि राजस्व मंडल ग्वालियर द्वारा भी की जा चुकी थी। इन तथ्यों को आधार बनाते हुए जिला न्यायालय ने 5 जून 2026 को मंदिर पक्ष की अपील खारिज कर दी तथा निचली अदालत के निर्णय को यथावत रखते हुए स्पष्ट किया कि विवादित भूमि मंदिर अथवा उसके प्रबंधक कलेक्टर रीवा की संपत्ति नहीं है। फैसले के साथ ही वर्ष 2012 से चली आ रही लगभग 14 वर्षों पुरानी कानूनी लड़ाई का पटाक्षेप हो गया है। मामले में प्रतिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता पुष्पेन्द्र सिंह ने प्रमुख रूप से पैरवी की, जबकि उनके साथ अधिवक्ता रमेश सोधिया, संजय यादव, सत्यभान सिंह एवं राहुल सोधिया भी जुड़े रहे।

जुआ फड़ पर पुलिस की रेडः फड़ संचालक समेत तीन गिरफ्तार, 10 हजार रुपये नकद और ताश के पत्ते जब्त, नया तालाब हरिजन बस्ती में सिटी कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

रीवा। शहर में अवैध जुआ गतिविधियों की सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुआ फड़ पर छापेमारी की। पुलिस ने मौके से फड़ संचालक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से ताश के 52 पत्ते और करीब 10 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। वहीं पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही कई जुआरी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नया तालाब के समीप स्थित हरिजन बस्ती में लंबे समय से जुआ खेलने की गतिविधियों की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि क्षेत्र में जुए की फड़ संचालित की जा रही है, जहां बड़ी संख्या में लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निशा मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। इसके बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से बताए गए स्थान पर दबिश दी। अचानक हुई कार्रवाई से जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग मौके से भागने में सफल रहे, जबकि पुलिस ने फड़ संचालक समेत तीन आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया।
पुलिस द्वारा की गई तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से ताश के पत्तों की गड्डी और करीब 10 हजार रुपये नकद बरामद किए गए। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा ने बताया कि मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध जुआ एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एक दशक की कानूनी लड़ाई के बाद चली जेसीबी, विवादित भूमि से हटाया कब्जा, कई आदिवासी परिवार बेघर

रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र में सोमवार को प्रशासन ने न्यायालय के आदेश के पालन में बड़ी कार्रवाई करते हुए विवादित भूमि से अतिक्रमण हटाया। राजस्व अमले और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हुई कार्रवाई के दौरान कई वर्षों से निवास कर रहे आदिवासी परिवारों के मकान हटाए गए। जानकारी के अनुसार भूमि स्वामित्व को लेकर पिछले कई वर्षों से न्यायालय में विवाद चल रहा था। फरियादी संजय सोनी द्वारा तहसील न्यायालय में भूमि खाली कराने के लिए वाद प्रस्तुत किया गया था। सुनवाई के दौरान खसरा क्रमांक 250, 253 एवं 254 से संबंधित दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। प्रकरण की सुनवाई के बाद तहसील न्यायालय ने 2 सितंबर 2025 को बेदखली का आदेश पारित किया था। सोमवार को उसी आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। जेसीबी मशीनों की मदद से विवादित भूमि पर बने निर्माण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने, इसके लिए पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था की गई थी। बताया जा रहा है कि भूमि पर

कब्जा हटाने के लिए फरियादी पक्ष पिछले कई वर्षों से प्रयास कर रहा था। मामला स्थानीय थाना, राजस्व न्यायालय और उसके बाद उच्च न्यायालय तक पहुंचा। न्यायालयों से आदेश मिलने के बावजूद भूमि लंबे समय तक खाली नहीं हो सकी थी। इसके बाद प्रशासन ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर कार्रवाई की। तहसीलदार अनुपम पांडे ने बताया कि न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। प्रशासन ने पूरी कार्रवाई राजस्व अभिलेखों और न्यायालय के निर्देशों के आधार पर की है। कार्रवाई के बाद बेदखल किए गए परिवारों ने नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वे कई दशकों से उक्त भूमि पर निवास कर रहे थे और उनके पूर्वज भी यहीं रहते थे। परिवारों का आरोप है कि अचानक हुई कार्रवाई से उनके सामने आवास और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। प्रभावित लोगों का कहना है कि वर्षों से बसे होने के बावजूद उन्हें पर्याप्त राहत या वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध नहीं कराई गई। कार्रवाई के दौरान महिलाएं और बच्चे भी मौजूद रहे, जिनमें प्रशासनिक कदम को लेकर चिंता दिखाई दी।

विश्व योग दिवस की तैयारियां जोर-शोर से, फ्री लाइव योगा सेशन से अब तक जिले के 9503 लोग जुड़े

रीवा। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए आयुष विभाग को नोडल अधिकारी बनाया गया है। डिजिटल माध्यम से विश्व योग दिवस से जुड़ी गतिविधियों का लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस संबंध में जिला आयुष अधिकारी डॉ. शारदा मिश्रा ने बताया कि विश्व योग दिवस के लिए फ्री लाइव योगा सेशन प्रतिदिन आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक जिले के 9503 व्यक्ति जुड़कर नियमित योगाभ्यास में शामिल हो रहे हैं। विभाग के योग ऐप में भी अब तक 1851 लोगों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है। आयुष विभाग से जुड़े योग मित्र और योग सखी द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र, स्कूलों तथा ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन योग जागरूकता शिविर लगाकर बड़ी संख्या में लोगों को योगाभ्यास कराया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि जिले भर में आयुष विभाग द्वारा संचालित 30 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में बड़ी संख्या में योग मित्र और योग सखी बनाए गए हैं। इनके द्वारा घर-घर जाकर लोगों को योग से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सभी आयुष्मान मंदिरों में सुबह 8 बजे से 9 बजे तक प्रतिदिन योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। योग के प्रचार-प्रसार तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओं का भी सहयोग लिया जा रहा है। देश के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल कराने के लिए 14 जून को सुबह 6.15 बजे से 7.35 बजे तक नियमित योगाभ्यास करने वालों का ऑनलाइन पंजीयन होगा। कोई भी व्यक्ति टोलफ्री नम्बर 18003157008 पर मिसकॉल देकर अपना पंजीयन करा सकता है।

वनाधिकार एक्ट की संभागीय कार्यशाला 10 जून को

रीवा। वनाधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन के संबंध में संभागीय कार्यशाला 10 जून को आयोजित की जा रही है। कार्यशाला कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे से आरंभ होगी। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि कार्यशाला में आयुक्त सह संचालक जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजनाएं भोपाल के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में अवधारणा तथा प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, वन मण्डलाधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सहायक आयुक्त तथा जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग, सभी एसडीएम तथा एसडीओ वन कार्यशाला में शामिल रहेंगे।

गौशाला के नाम पर घोटाला: कागजों में गौवंश, खातों में करोड़ों

हकीकत में गौशालाएं खाली, फर्जी गिनती पर हर माह लाखों का भुगतान

निरीक्षण में न गौवंश मिला न चारा-भूसा, प्रशासन मौन

मऊगंज जिले में गौमाता के नाम पर सरकारी खजाने को करोड़ों की चपत लगाई जा रही है। ग्राम पंचायतों और समूहों द्वारा संचालित गौशालाओं में कागजों पर सैकड़ों गौवंश दर्ज कर हर महीने लाखों रुपये का भुगतान उठाया जा रहा है। मगर कई गौशालाओं का नाम सिर्फ कागजी ग्राफ बढाने तक ही सीमित है बहुत सी गौशाला मे न पर्याप्त गौवंश, न चारा-भूसे का स्टॉक, न पानी, न कर्मचारी, सबसे गंभीर बात यह कि पशुपालन विभाग के अधिकारी बिना भौतिक सत्यापन के ही फर्जी आंकड़ों पर हस्ताक्षर कर भुगतान की हरी झंडी दे रहे हैं।जमीनी हकीकत यह है कि गौशाला संचालकों ने क्षमता से कई गुना अधिक गौवंश कागजों में दिखा रखे हैं। 50 गौवंश की क्षमता वाली गौशाला में 200 गौवंश दर्ज हैं। पशुपालन विभाग ने आंख मूंदकर इसे सत्यापित कर रहा है।इसी फर्जी सत्यापन के दम पर चारा, भूसा, पानी, दवा और 4-5 कर्मचारियों के वेतन के नाम पर हर माह 2 से 3 लाख रुपये का भुगतान हो रहा है। हालत यह है कि एक वर्ष में एक गौशाला से ही 25-30 लाख की निकासी का खेल खुलेआम चल रहा है।अन्नदाता परेशान सिस्टम कि नहीं खुल रही नींद गौशाला के नाम पर चल रहे इस फर्जीवाड़े की सबसे बड़ी कीमत किसान चुका रहा है, क्योंकि खरीफ रवी के साथ गर्मी के सीजन में भी आवारा मवेशी किसानो की फसल को नष्ट कर देते हैं। निराश्रित मवेशियों के लिए गौशाला की सुविधा है लेकिन अधिकतर गौशालाएं खाली नजर आती है जहां सिर्फ कागज का खेल चल रहा है। गौशालाओं की जो स्थिति है उस पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। जमीनी हालात के अनुसार सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि बिना जियो-टैग फोटो के भुगतान पर रोक क्यों नहीं? हर माह भौतिक सत्यापन अनिवार्य क्यों नहीं किया जाता? फर्जी आंकड़े सत्यापित करने वाले अफसरों पर कार्रवाई कब? मृत मवेशी मिलने पर पशु क्रूरता का केस क्यों नहीं ?किसानों को मुआवजा कौन देगा।गौसेवा के नाम पर चल रहा यह घोटाला सिर्फ वित्तीय अनियमितता नहीं, आस्था और भरोसे के साथ धोखा है। जब तक हर गौवंश की ईयर-टैगिंग, ड्रोन से मासिक निगरानी और थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य नहीं होगा, तब तक फाइलों में गायें चरती रहेंगी और खजाना लुटता रहेगा।

जेसीबी और बोलेरो में तोड़फोड़, तीन लोगों से मारपीट; नकदी लूटने का आरोप

रीवा। जिले के मनगवां क्षेत्र में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक घटना सामने आई है। मनगवां थाना क्षेत्र के ग्राम मनिकवार नंबर-2 में बीती रात आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने जेसीबी मशीन और बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ करते हुए तीन लोगों के साथ मारपीट की। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि हमलावरों ने वाहन में रखी करीब 60 से 70 हजार रुपये की नकदी भी लूट ली। घटना में घायल तीनों व्यक्तियों का उपचार संजय गांधी अस्पताल रीवा में जारी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम मनिकवार नंबर-2 में देर रात लगभग 12 बजे जेसीबी मशीन खनन कार्य में लगी हुई थी। इसी दौरान कुछ युवक मौके पर पहुंचे और जेसीबी चालक से पैसों की मांग करने लगे। चालक द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर आरोपियों ने आक्रोशित होकर जेसीबी मशीन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर चालक के साथ मारपीट भी की गई। घटना की सूचना मिलने पर पवन पटेल और अंकित पटेल बोलेरो वाहन से मौके पर पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद बदमाशों ने दोनों को घेर लिया और उनके साथ भी मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों ने बोलेरो वाहन में भी जमकर तोड़फोड़ की, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। पीड़ित पक्ष के शिवेंद्र पटेल ने बताया कि मारपीट और तोड़फोड़ के दौरान आरोपियों ने बोलेरो में रखी लगभग 60 से 70 हजार रुपये की नकदी भी निकाल ली।मारपीट की घटना में पवन पटेल, अंकित पटेल एवं

जेसीबी ऑपरेटर पुनीत पटेल घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए तत्काल संजय गांधी अस्पताल रीवा ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।
घटना की सूचना मिलते ही मनगवां थाना पुलिस सक्रिय हुई और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।